फरीदाबाद
मजदूर समाचार

राहें तलाशने-बनाने के लिए मजदूरों के अनुभवों व विचारों के आदान-प्रदान के जरियों में एक जरिया

नई सीरीज नम्बर 234 1/- दिसम्बर 2007

प्रगति-विकास का रथ भारत में ही हर रोज सड़कों पर वाहनों की चपेट में 275 लोगों की मौत को पार कर गया है। राज्य-केन्द्र सरकारें और हावी सोच इस आतंकवाद को बढाने में जुटी हैं।

निर्भरता-आत्मनिर्भरता-परस्पर निर्भरता बनाम.... .....बनाम क्या ?

★ शिशु की माँ पर निर्भरता को स्वयंसिद्ध माना जा रहा है। आइये इसकी थोड़ी पड़ताल करें।

स्तनपान को शिशु की माँ पर निर्भरता को साफ-साफ दर्शाने वाला कहा जा सकता है! परन्तु क्या बात वास्तव में ऐसी है ?

स्तनपान माँ को आनन्द प्रदान कराता है। क्या इसे माँ की बच्चे पर निर्भरता कह सकते हैं ?

वास्तव में जीवन बहु-आयामी है, जिन्दगी के कई पहलू हैं। इस अथवा उस पहलू को महत्वपूर्ण-अधिक महत्वपूर्ण करार देना और इन-उन आयामों को गौण बताना गड़बड़झालों की पूरी बारात लिये है।

★ दरअसल समुदाय रूपी समाजों का टूटना और ऊँच-नीच, अमीर-गरीब, बड़े-छोटे वाली समाज व्यवस्थाओं का उभरना-फैलना जीवन के विभिन्न पहलुओं में सामंजस्य को तोड़ता है। सम्पूर्णता मे काट-छाँट कर कुछ पहलुओं को महत्वपूर्ण और अन्य को गौण बनाने की प्रक्रिया चलती है। मालिक जो करें वह महत्वपूर्ण, गुलाम जो करें वह गौण.....

जीवन के आयामों में सामंजस्य का टूटना और कुछ पहलुओं का महत्वपूर्ण तथा अन्य का गौण बनना सब को सिकोड़ना-खंडित करना लिये है।

दासों की पीड़ा का बयान करने की आवश्यकता नहीं है। स्वामियों की पीड़ा की झलक के लिये महाभारत ही पर्याप्त है। भूदासों के दुख-दर्द के लिये उदाहरणों की जरूरत नहीं है। राजाओं की त्रासदी को शेक्सपीयर के नाटक बखूबी दर्शाते हैं।

★ उपरोक्त को ध्यान में रखते हुये आइये निर्भरता-आत्मनिर्भरता-परस्पर निर्भरता पर कुछ चर्चा करें।

—वर्तमान की एक विशेषता यह है कि सहज के प्रति इसमें व्यापक असहजता है। आयु का सन्दर्भ ही लें। जन्म-शैशव-युवावस्था-वृद्धावस्था-मृत्यु की स्वाभाविकता के प्रति चिर यौवन की लालसा को क्या कहेंगे?

—जवानी का एक अर्थ किसी पर निर्भर नहीं होना भी है। निर्भर मानी अधीन यानी दुखद! लौटें माँ-शिशु पर और विचार करें कि कैसे पूरक का अनर्थ निर्भर है।

—वर्तमान के एक और लक्ष्य आत्मनिर्भरता को देखिये।

यहाँ हम सरलीकरण के लिये समूह की बजाय व्यक्ति-केन्द्रित उदाहरण दे रहे हैं।

आत्मनिर्भरता आगे ही एकांगी जीवन को एकाकी बनाने की राह है। आत्मनिर्भरता आज निवास के ऐसे स्वरूप लिये है कि किसी से कोई मिलना-जुलना न हो। भोजन ऐसा कि अकेले निगल सकें। यात्रा के दौरान सामने किताब और कानों में संगीत। "अपना पैसा" यानी नौकरी-चाकरी आदर्श। नीरस जीवन पर मनन से बचने के लिये टी.वी., प्रायोजित-आनन्द और प्रायोजित-पीड़ा का एकाकी उपभोग।

—निर्भरता और आत्मनिर्भरता में तवे और चूल्हे के भेद के दृष्टिगत विकल्प के तौर पर परस्पर निर्भरता आकर्षक लगती है। आइये इसे थोड़ा देखें।

विस्तार का अभाव और सम्बन्धों का सतही-छिछला होना ऐसी दवा की माँग करता है जो इन्हें कुछ जीवन दे सके। व्यवहारिकता वह औषधि है।

सम्बन्धों का प्रबन्धन करना, रिश्तों को मैनेज करना नया सूत्र है। किसने किस के लिये कितना किया है और क्या-कब करना है का हिसाब-किताब रखना और नफे-नुकसान का आंकलन एक सतत् क्रिया बनती है। सम्बन्ध बनाये रखना है अथवा तोड़ना है, नये रिश्ते बनाने हैं अथवा पुरानों को भुनाना है की ऊहापोह हर समय रहती है। व्यक्ति हो चाहे समूह या संस्था या सरकार, रिश्तों को मैनेज करने का अर्थ यही है।

और, परस्पर निर्भरता सम्बन्धों को मैनेज करना ही है।

निर्भरता का विकल्प आत्मनिर्भरता नहीं है और इन दोनों का विकल्प परस्पर निर्भरता नहीं है। तो क्या?

स्वयं को, मानव को प्रकृति का एक अंश लेना, सम्पूर्ण का एक अंश लेना विकल्पों के लिये प्रस्थान-बिन्दू लगता है।

दिल्ली से —

अगस्त 2007 से दिल्ली में सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन इस प्रकार हैं: 8 घण्टे की ड्युटी और सप्ताह में एक छुट्टी पर महीने के अकुशल श्रमिक (हैल्पर) को 3516 रुपये (8 घण्टे के 135 रुपये 22 पैसे); अर्ध-कुशल मजदूर की कम से कम तनखा 3682 रुपये (8 घण्टे के 141 रुपये 62 पैसे); कुशल श्रमिक का कम से कम वेतन 3940 रुपये (8 घण्टे के 151 रुपये 52 पैसे)। स्टाफ में अब कम से कम तनखा मैट्रिक से कम की 3707 रुपये; मैट्रिक पास परन्तु स्नातक से कम की 3964 रुपये; स्नातक एवं अधिक की 4276 रुपये।

लिलिपुट किड्स वीयर मजदूर : "ए-185 ओखला फेज-1 स्थित फैक्ट्री में 500 सिलाई कारीगर, 60 कटिंग वाले, 20 चैकर, 18 स्टीम प्रेसों पर, 10 स्पोटिंग में, 50 हैल्पर काम करते हैं पर इन में 90 की ही ई.एस.आई. व पी.एफ. है। एक शिफ्ट है, सुबह 9 से रात 9 तक, रविवार को 8 घण्टे की ही। ई.एस.आई. व पी.एफ. वाले हैल्परों को 12 घण्टे रोज पर 26 दिन के 3516 रुपये, रविवार के 8 घण्टों के लिये मात्र 60 रुपये, किसी दिन रात 9 बजे बाद 3 घण्टे रोकने पर उनके बस 50 रुपये। बिना ई.एस.आई. व पी.एफ. वाले हैल्परों को 12 घण्टे रोज पर 26 दिन के 2800 रुपये, रविवार के 8 घण्टे के मात्र 40 रुपये, रात 9 से 12 तक रोकने के सिर्फ 40 रुपये। रात 9 से 12 के लिए स्टाफ को भी ओवर टाइम नहीं — लाइनमैन को 100, मास्टर को 100 और प्रोडक्शन मैनेजर को 200 रुपये मात्र। ई.एस.आई. व पी.एफ. वाले 20 सिलाई कारीगरों को 8 घण्टे की ड्युटी व साप्ताहिक अवकाश पर महीने के 3940 रुपये (बाकी पेज तीन पर)

मजदूर लाइब्रेरी, आटोपिन झुग्गी, एन. आई. टी. फरीदाबाद – 121001 (यह जगह बाटा चौक और मुजेसर के बीच गंदे नाले की बगल में है।)

दर्पण में चेहरा–दर–चेहरा

चेहरे डरावने हैं.... आईना ही नहीं देखें या फिर हालात बदलने के प्रयास करें?

डिलाइट प्रेसिंग मजदूर : "प्लॉट 302 सैक्टर-24 स्थित फैक्ट्री में हैल्परों को 2000 तथा कारीगरों को 2800 रुपये तनखा देते हैं पर हस्ताक्षर 3510 पर करवाते हैं। छूटने का समय अनिश्चित – 11 घण्टे से अधिक की ड्युटी पर 15 रुपये रोटी के। देर रात छूटने पर रास्ते में पुलिस परेशान करती है।"

फाइबरवेज वरकर : "प्लॉट 3 सैक्टर-4 स्थित फैक्ट्री में फाइबर से खिड़की, चौखट, गेट बनाने का बहुत ही गन्दा काम होता है। यहाँ हम 60 मजदूर काम करते हैं पर दस्ताने व मास्क सिर्फ 4 कटर को देते हैं। हैल्परों की तनखा 1800 रुपये, ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। कारीगरों की तनखा 3500-5000 रुपये।"

टी सी एस बजाज मजदूर : "62 नीलम-बाटा रोड स्थित मोटरसाइकिल बिक्री केन्द्र में 150 वरकरों की सुबह 9 से साँय 6½ की ड्युटी है और 7½ तक रोक लेते हैं। ओवर टाइम के कोई पैसे नहीं। हैल्परों को 2500 रुपये तनखा देते हैं पर हस्ताक्षर 3510 पर करवाते हैं। मैकेनिकों की तनखा 3500-4000 रुपये। मैनेजिंग डायरेक्टर राहुल सलुजा हर समय गाली देता है, थप्पड़ भी मार देता है – कहता है कि मुख्य मन्त्री मेरा है, सरकार और पुलिस मेरी हैं।"

पी पी रोलिंग मिल वरकर : "प्लॉट 39 सैक्टर-27 सी स्थित फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं, रविवार को 8 घण्टे। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। हैल्परों की तनखा 2000 और ऑपरेटरों की 2800-3000 रुपये। तीस स्थाई मजदूर और 120 कैजुअल वरकर हैं। कैजुअलों की ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं।"

इको ऑटो मजदूर : "प्लॉट 20 सैक्टर-6 स्थित फैक्ट्री में 30-40 स्थाई, 100 कैजुअल और एक ठेकेदार के जरिये रखे 20 मजदूर काम करते हैं। पीने का पानी खारा है। सुपरवाइजर बदतमीजी करते हैं। जरा-सी बात पर कम्पनी ब्रेक कर देती है। कैजुअलों में हैल्पर की तनखा 3510, आई टी आई किये ऑपरेटर की 3640, अप्रेन्टिसी पूरी किये की 3900 रुपये। शनिवार व रविवार को ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से। कैजुअल वरकरों को बोनस नहीं देते।"

पेस एग्जिम कॉरपोरेशन वरकर : "158 डी एल एफ इन्डस्ट्रीयल एस्टेट फेज-1 स्थित फैक्ट्री में सुबह 9 से रात 11 बजे की एक शिफ्ट है। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। रोटी के लिये 12 रुपये और चाय-नाश्ता भी देते हैं। अल्युमीनियम की ढलाई होती है और बरसों से काम कर रहों की भी ई.एस.आई. तथा पी.एफ. नहीं हैं। हैल्परों की तनखा 1700 और ऑपरेटरों की 2200-2400 रुपये।"

सेन्चुरी एन.एफ. कास्टिंग मजदूर : "प्लॉट 1 सैक्टर-25 स्थित फैक्ट्री में 500 मजदूर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में काम करते हैं। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से और कम्पनी की कोशिश रहती है कि मजदूर साप्ताहिक छुट्टी भी नहीं करें – गर्मियों में तीन महीने (अप्रैल, मई, जून) एक भी छुट्टी नहीं करने पर एक हजार रुपये इनाम। भट्टी वालों को हर 3 महीने में और छँटाई करने वालों को हर 6 माह में चमड़े के जूते। सब मजदूरों को एक किलो साबुन हर महीने और सर्दियों में 2 किलो गुड़ प्रतिमाह। गर्मियों में सब को ड्युटी के दौरान एक बार नींबू पानी और ड्युटी छूटने पर भट्टी वालों को 2-2 नींबू तथा अन्य को एक-एक। इन मामलों में कम्पनी 100 स्थाई मजदूरों और तीन ठेकेदारों के जरिये रखे 400 वरकरों में भेद नहीं करती।

"सेन्चुरी कास्टिंग में 6 बड़ी और 2 छोटी भट्टियाँ हैं जिनमें अल्युमीनियम का कबाड़ा गलाया जाता है। कबाड़े में कभी-कभी बम और मिसाइल भी आ जाते हैं जिन्हें छँटाई के समय मजदूर एक तरफ कर देते हैं। कम्पनी उनका क्या करती है पता नहीं। दो- ढाई साल पहले मिसाइल या बम से एक भट्टी में विस्फोट हुआ था। कोई बोलते हैं 10 मरे, कोई 17 मरे बताते हैं, अखबारों ने दो मरे कहा था और वजह ज्यादा बारिश के कारण दीवार गिरना बताया था।"

मार्शल एक्सपोर्ट वरकर : " प्लॉट 390-3 सैक्टर-24 स्थित फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं। हैल्परों की तनखा 2800 रुपये और कारीगर पीस रेट पर। लोहे की ढलाई करते 200 मजदूरों में से 185 को ठेकेदारों के जरिये रखा है। मैनेजिंग डायरेक्टर इन्द्रजीत चोपड़ा छोटी-छोटी बात पर गाली देता है।"

ध्रुव ग्लोबल मजदूर : "14 मील पत्थर, मथुरा रोड स्थित फैक्ट्री में काम करते 1500 लोगों में से 800 को दस ठेकेदारों के जरिये रखा है। रंगाई और फिनिशिंग विभागों में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं तथा एक्सपोर्ट में 10 घण्टे की जनरल शिफ्ट है। हैल्परों को 10 घण्टे रोज ड्युटी पर महीने के 3510 रुपये। सिलाई कारीगरों की तनखा (8 घण्टे, साप्ताहिक छुट्टी) 3640 रुपये। बोनस नहीं देते।"

सुपर ऑटो वरकर : "प्लॉट 13 सैक्टर-6 स्थित फैक्ट्री में **होण्डा** कार और मोटरसाइकिल के पुर्जे 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में बनते हैं। पाँच सौ मजदूर काम करते हैं पर ई.एस.आई. व पी.एफ. मात्र 32 की हैं। हैल्परों की तनखा 2200-2600 और ऑपरेटरों की 3000-3300 रुपये। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से।"

हाइटेक मजदूर : "ए-4 नेहरू ग्राउण्ड स्थित फैक्ट्री में 50-60 मजदूर काम करते हैं पर ई.एस.आई. व पी.एफ. 15-20 की ही हैं। दो शिफ्ट हैं 12-12 घण्टे की। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। हैल्परों की तनखा 1800-2500 रुपये।"

विकास फोरजिंग वरकर : "प्लॉट 173 सैक्टर-24 स्थित फैक्ट्री में स्थाई मजदूरों में हैल्पर की तनखा 2700 और कनवेयन्स के 810 रुपये। ई.एस.आई. व पी.एफ. 3510 पर काटते हैं पर ओवर टाइम का भुगतान 2700 अनुसार। फैक्ट्री में 12½ घण्टे की एक शिफ्ट है। स्थाई मजदूरों को ओवर टाइम का भुगतान डेढ की दर से। ठेकेदार के जरिये रखे वरकरों को 2300 रुपये तनखा देते हैं पर हस्ताक्षर 3510 पर करवाते हैं और इन्हें ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से।"

युनीक सेक्युरिटी सर्विस मजदूर : "2571 सैक्टर-7ए में कार्यालय वाली यह कम्पनी उत्पादन कार्य के लिये वरकर अधिक सप्लाई करती है, गार्ड तो नाममात्र के। करण ऑटो, डी. एस.बुहीन, सैक्टर-24 में प्लॉट 88, 300 आदि में युनीक सेक्युरिटी के जरिये रखे 1700 हैल्पर काम करते हैं। भर्ती के समय तनखा 2200 रुपये बताते हैं पर देते 1800 हैं। ई.एस.आई. नहीं, पी. एफ. नहीं।"

एस पी एल इन्डस्ट्रीज वरकर : "प्लॉट 22 सैक्टर-6 स्थित फैक्ट्री में दस ठेकेदारों के जरिये रखे हम करीब दो हजार मजदूरों में हैल्परों की तनखा 2200 रुपये है। दो शिफ्ट हैं 12-12 घण्टे की। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से। अक्टूबर की तनखा हमें आज 23 नवम्बर तक नहीं दी है – 'अग्रिम' के नाम पर 1000 रुपये दिये हैं।

"एस.पी.एल. की प्लॉट 47-48 सैक्टर-6 स्थित फैक्ट्री में इस समय काम कम है फिर भी 6 ठेकेदारों के जरिये रखे हम एक हजार मजदूर काम कर रहे हैं। कपड़ों की रंगाई, धुलाई, छपाई का काम होता है और 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं। हमें 12 घण्टे रोज ड्युटी पर 26 दिन के 3500-4500 रुपये देते हैं। तनखा देरी से – अक्टूबर के पैसे 21 नवम्बर को दिये।"

पी सी कास्टिंग मजदूर : "14/5 मथुरा रोड स्थित फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में हम 200 मजदूर काम करते हैं। हैल्परों को जुलाई की तनखा 3510 रुपये दी थी परन्तु फिर अगस्त से 10 घण्टे ड्युटी के 3510 कर दिये हैं। कम्पनी ने ओवर टाइम की दर भी घटा दी है – पहले हैल्पर को 16 रुपये कुछ पैसे प्रतिघण्टा देते थे, अब 10 रुपये प्रतिघण्टा कर दिये हैं।"

सेक्युरिटी गार्ड : "सैक्टर-7 मार्केट में कार्यालय वाली **एच आई एस एस** ने कम्पनियों को करीब 1800 गार्ड सप्लाई किये हैं। अधिकतर गार्ड 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ड्युटी करते हैं। ज्यादातर गार्डों को 12 घण्टे प्रतिदिन पर 30 दिन के 3600 रुपये देते हैं, बहुत-ही कम को 8 घण्टे पर 26 दिन के 3640 रुपये।"

नेशनल सीमेन्ट बोर्ड वरकर : "मथुरा रोड स्थित संस्थान में 250 कर्मचारी हैं जिनमें हम 60 हैल्पर हैं। संस्थान में शनिवार व रविवार की छुट्टी रहती है और हम हैल्परों को महीने के 2600 रुपये देते हैं। हमारी ई.एस.आई. व पी.एफ. नहीं हैं।"

जगसन पाल फार्मास्युटिकल्स मजदूर : "12/4 मथुरा रोड स्थित फैक्ट्री में जुलाई से देय डी.ए. के पैसे नहीं देने का सिलसिला कम्पनी ने इस वर्ष भी जारी रखा। पाँच वर्ष से जुलाई से देय महँगाई भत्ता राशि कम्पनी नहीं दे रही।"

कानून हैं शोषण के लिये और छूट है कानून से परे शोषण की

कानून : ●37-40 दिन काम करने पर 30 दिन की तनखा, अगले महीने की 7-10 तारीख तक दे ही देना; ●8 घण्टे की ड्युटी, तीन महीने में 50 घण्टे से ज्यादा ओवर टाइम काम नहीं, ओवर टाइम का भुगतान वेतन की दुगुनी दर से; ●*प्रतिदिन 8 घण्टे काम और सप्ताह में एक दिन की छुट्टी पर 01.07.2007 से हरियाणा सरकार द्वारा निर्धारित कम से कम तनखा प्रतिमाह इस प्रकार हैं : अकुशल मजदूर (हैल्पर) 3510 रुपये (8 घण्टे के 135 रुपये); अर्धकुशल अ 3640 रुपये (8 घण्टे के 140 रुपये); अर्धकुशल ब 3770 रुपये (8 घण्टे के 145 रुपये), कुशल श्रमिक अ 3900 रुपये (8 घण्टे के 150 रुपये); कुशल श्रमिक ब 4030 रुपये (8 घण्टे के 155 रुपये); उच्च कुशल मजदूर 4160 रुपये (8 घण्टे के 160रुपये)। कम से कम का मतलब है इन से कम तनखा देना गैरकानूनी है।*

यशदीप मजदूर : "4 इन्डस्ट्रीयल एरिया स्थित फैक्ट्री में काम करते 60 लोगों में 3-4 की ही ई.एस.आई. व पी.एफ. हैं। हैल्परों की तनखा 2200-2400 और कारीगरों की 3000-3200 रुपये।"

निधि ऑटो वरकर : "प्लॉट 10 सैक्टर-24 स्थित फैक्ट्री में **यामाहा, एल जी, न्यू होलैण्ड** के पुर्जे बनाते मजदूरों में हैल्परों की तनखा 2200 तथा ऑपरेटरों की 2800 रुपये।"

सुपर मैटल मजदूर : "प्लॉट 221 संजय कॉलोनी (सैक्टर-23) स्थित फैक्ट्री में काम करते 100 मजदूरों में हैल्परों की तनखा 1800 रुपये।"

परफैक्ट अब्रेसिव वरकर : "गुरुकुल, अनंगपुर रोड़ पर टी वी एस गोदाम के निकट स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 2000-2500 और ऑपरेटरों की 2800-3000 रुपये।"

रामाकृष्णा इन्टरप्राइजेज मजदूर : "307 रेलवे रोड़, ओल्ड फाटक के पास सुपर डीजल बिल्डिंग में स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 1800 और ऑपरेटरों की 2700-2900 रुपये।"

श्री इन्डस्ट्रीज वरकर : "प्लॉट 102 सैक्टर-6 स्थित फैक्ट्री में पुराने मजदूरों की तनखा 3510 कर दी है पर नयों की 3000-3200 रुपये है।"

वी एन जी ऑटोमोटिव मजदूर : "प्लॉट 4 सैक्टर-24 स्थित फैक्ट्री में 200 वरकर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में काम करते हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। हैल्परों की तनखा 2300 और ऑपरेटरों की 2800-3000 रुपये।"

के आर कास्टिंग वरकर : "15 इन्डस्ट्रीयल एरिया स्थित फैक्ट्री में कम्पनी द्वारा स्वयं रखे हैल्परों की तनखा 2400 और कारीगरों की 3500 रुपये। ठेकेदारों के जरिये रखे हैल्परों की तनखा 2200 और कारीगरों की 2800 रुपये।"

शिवालिक ग्लोबल मजदूर : "12/6 मथुरा रोड़ स्थित फैक्ट्री में जिनकी ई.एस.आई. व पी.एफ. हैं उन्हें 12 घण्टे रोज ड्युटी पर महीने के 3510 रुपये। जिन मजदूरों की ई.एस.आई. व पी.एफ. नहीं हैं उन्हें 8 घण्टे पर महीने के 2400 रुपये देते हैं।"

एक छोटा-सा कदम : अगर आपको ऊपर दर्शाये न्यूनतम वेतन नहीं दिये जा रहे तो कम्पनी-फैक्ट्री-कार्यस्थल का पता देते हुये इन साहबों को पत्र भेजें, पोस्ट कार्ड डालें:

1. श्रीमान उप श्रम आयुक्त
   पुराना ए डी सी दफ्तर, सैक्टर-15ए
   फरीदाबाद – 121007
2. श्रीमान श्रम आयुक्त, हरियाणा सरकार
   30 वेज बिल्डिंग, सैक्टर-17, चण्डीगढ
3. श्रीमान श्रम मन्त्री,
   हरियाणा सचिवालय
   चण्डीगढ
4. श्रीमान मुख्य मन्त्री,
   हरियाणा सचिवालय, चण्डीगढ

दिल्ली से ...... (पेज एक का शेष)

(पेज एक का शेष)

पर ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से भी कम, 16 रुपये 40 पैसे प्रति घण्टा के हिसाब से। बिना ई.एस.आई. व पी.एफ. वाले 480 सिलाई कारीगरों को 17 रुपये प्रति घण्टा अनुसार पैसे। लिलिपुट किड्स वीयर की ओखला फेज-1 में ए-191, सी-113, डी-3, डी-95 व फेज-2 में एक्स- 62 तथा बदरपुर में 6 और फैक्ट्रियाँ हैं।"

मीडिया प्रिन्टर्स वरकर : "ए-17 नारायणा फेज-1 स्थित फैक्ट्री में 40 मजदूर काम करते हैं पर ई.एस.आई. व पी.एफ. 20 की ही हैं। दो शिफ्ट हैं 8-8 घण्टे की। ओवर टाइम कभी-कभी और उसका भुगतान सवा की दर से। हैल्परों की तनखा 2600 और ऑपरेटरों की 3500-10,500 रुपये।"

'गेट पर नाम नहीं' मजदूर : "एफ-20 ओखला फेज-1 स्थित फैक्ट्री में एक शिफ्ट है -- सुबह 9½ से रात 2 बजे तक। रोटी के लिये 20 रुपये और रात 8 से सवा नौ तक का समय देते हैं। साप्ताहिक छुट्टी नहीं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। चार मंजिल में ढाई-तीन हजार मजदूर काम करते हैं। हैल्परों की तनखा 1800 रुपये, ई. एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं।"

पूजा इन्टरप्राइजेज-स्पार्कल ट्रेडिंग हाउस वरकर : "सी-79 ओखला फेज-1 स्थित फैक्ट्री में **डोमिनोज** के लिये सब्जियाँ कटती हैं और हवाई अड्डे के पास स्थित **ताज, सैफियर, एम्बैसडर होटलों** के लिये नींबू पानी के पैक बनते हैं। पिज्जा हट, मार्क फ्राई, जूस जोन, पिज्जा कॉर्नर के ठेके टूट गये हैं। शिफ्ट सुबह 9 बजे आरम्भ होती है पर समाप्त होने का कोई समय नहीं है, काम खत्म होने से पहले फैक्ट्री से निकलने नहीं देते। रोज रात 9½ बाद छूटते हैं, रात के 12-1, सुबह के 6 बज जाते हैं और फिर सुबह 9 बजे ड्युटी के लिये उपस्थित हो! ओवर टाइम का एक पैसा भी नहीं। वर्ष के 365 दिन काम -- रविवार को काम के बदले में छुट्टी की कहते हैं पर देते नहीं। अति तीव्र गति से काम के कारण उँगलियाँ रोज घायल होती हैं। गाड़ी भरो के चक्कर में चाय वापस भेज देते हैं और 1 से 1½ का भोजन अवकाश 2½ से 3 बजे। कम्पनी द्वारा स्वयं भर्ती की सितम्बर से तनखा 3409 रुपये और ठेकेदार के जरिये रखों को 12 घण्टे रोज पर 30 दिन के 2700 रुपये। वेतन देरी से -- अक्टूबर की तनखा 20 नवम्बर को दी और ठेकेदार के जरिये रखों को तो आज 30 नवम्बर तक नहीं दी है।"

सोनू प्रिन्टर्स मजदूर : "बी-82 ओखला फेज-1 स्थित फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं। ओवर टाइम का भुगतान सवा की दर से। ई.एस.आई. व पी.एफ. 15 स्थाई के ही, 25 कैजुअल वरकरों के नहीं। हैल्परों की तनखा 2200 और ऑपरेटरों की 3 से 10 हजार रुपये।"

गुड़गाँव से ...... (पेज चार का शेष)

तनखा 2200 और कारीगरों की 3500-3600 रुपये। वेतन से ई.एस.आई. व पी.एफ. के पैसे काटते हैं पर कार्ड नहीं देते, पर्ची नहीं देते। सुबह 9½ से रात 8 की शिफ्ट है, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से और सितम्बर के यह आज 29 नवम्बर तक नहीं दिये हैं। फैक्ट्री में 700 मजदूर हैं पर कैन्टीन नहीं है। लैट्रीन बहुत गन्दे रहते हैं।"

एस एण्ड आर मजदूर : "298 उद्योग विहार फेज-2 स्थित फैक्ट्री में शिफ्ट सुबह 9 बजे आरम्भ होती है और डरा-धमका कर रात के 2 बजे तक रोक लेते हैं। महीने में ओवर टाइम के 150-250 घण्टे। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से। फैक्ट्री में 12 से 1 तथा 4 से 5 के बीच ही टॉयलेट जा सकते हैं, आगे-पीछे बिल्कुल नहीं।" **फ्लोलिन,** 141 फेज-1, हैल्परों की तनखा 2600 और ऑपरेटरों की 3000-3500 रुपये; **मास इन्टरप्राइज,** 370 फेज-2, ठेकेदार के जरिये रखे हैल्परों की तनखा 2500 रुपये, सिलाई कारीगरों को 15-16 रुपये प्रति घण्टा, ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं; **राधुनिक,** 215 फेज-1, सुबह 9-9½ से रात 10-10½ की शिफ्ट, ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से पर हस्ताक्षर दुगुनी दर पर; **आर एल खन्ना,** 289 फेज-2, हैल्परों की तनखा 2200 और कारीगरों की 3000 रुपये, ई.एस.आई. व पी.एफ. नहीं; **ओरचिंड,** 189 फेज-1, हैल्परों की तनखा 2500 और कारीगरों की 3200 रुपये, ओवर टाइम सिंगल रेट से, 100 कैजुअलों की ई.एस.आई. व पी.एफ. नहीं; **एशियन हैण्डीक्राफ्ट,** 310 फेज-2, हैल्परों की तनखा 2500-2850 और कारीगरों की 3000-4500 रुपये; **कलमकारी,** 280 फेज-2, ठेकेदार के जरिये रखे हैल्परों की तनखा 2000-2200 और कारीगरों की 2800-3000 रुपये, शिफ्ट सुबह 9 से रात 8 की और ओवर टाइम सिंगल रेट से; **साइलेन्ट क्राफ्ट,** 311 फेज-2, हैल्परों की तनखा 2200 और ऑपरेटरों की 2600-2800 रुपये, शिफ्ट 11 घण्टे की और ओवर टाइम सिंगल रेट से, ई.एस.आई. व पी.एफ. नहीं।

गुड़गाँव से -

वी एण्ड एस एक्सपोर्ट मजदूर : "301 उद्योग विहार फेज-2 स्थित फैक्ट्री में हम 200 सैम्पलिंग टेलरों की तनखा 3800 रुपये थी। जुलाई से सरकार द्वारा 3510-4160 रुपये न्यूनतम वेतन लागू करने पर कम्पनी ने हैल्परों की तनखा 3510 कर दी पर हम उच्च कुशल सिलाई कारीगरों की तनखा पहले वाली 3800 रुपये ही रखी। इसके विरोध में हम ने 18 और 19 अक्टूबर को फैक्ट्री में मशीनें बन्द रखी। सुबह 9½ से रात 8 बजे की शिफ्ट है और ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से। तनखा तथा ओवर टाइम के पैसे देरी से देते हैं — अक्टूबर का वेतन आज 29 नवम्बर को देने की बात है और अक्टूबर के ओवर टाइम के पैसे 10 दिसम्बर को।"

सेक्युरिटी गार्ड : " पायल सिनेमा के सामने कार्यालय वाली **स्विफ्ट सेक्युरिटी** के गुड़गाँव में ही तीन हजार गार्ड हैं। कोई छुट्टी नहीं, हम गार्डो की प्रतिदिन 12 घण्टे और वर्ष के 365 दिन ड्युटी रहती है। जुलाई से गार्ड के लिये हरियाणा सरकार द्वारा 8 घण्टे ड्युटी और साप्ताहिक छुट्टी पर मासिक न्यूनतम वेतन 3640 रुपये निर्धारित है पर हमें 12 घण्टे रोज पर 30 दिन के 3400-4100 रुपये देते हैं। तनखा समय पर नहीं, 15-25 तारीख को देते हैं, अक्टूबर के पैसे कुछ गार्डो को तो 27 नवम्बर को दिये।"

ओरियन्ट फैशन मजदूर : "90 उद्योग विहार फेज-1 स्थित फैक्ट्री में शिफ्ट सुबह 9 से साँय पौने छह की बताते हैं पर रात के 11-12 बजे तक नहीं रुको तो इस्तीफा लिखो. ..... लिखो कि मैं गाँव जा रहा हूँ इसलिये नौकरी छोड़ रहा हूँ। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से। हैल्परों की तनखा 3510 पर कारीगरों में भी कुछ की 3510 और बाकी की 3640 रुपये। फैक्ट्री में एक हजार के करीब मजदूर हैं पर ई.एस.आई. व पी.एफ. 250 की भी नहीं हैं।"

धीर इन्टरनेशनल वरकर : "299 उद्योग विहार फेज-2 स्थित फैक्ट्री में अक्टूबर की तनखा हैल्परों को 3510 और कारीगरों को 3640 रुपये दी। जुलाई, अगस्त, सितम्बर का एरियर नहीं दिया है। ई.एस.आई. व पी.एफ. के 600 रुपये काटे हैं — ई.एस.आई. कार्ड नहीं, पी.एफ. की पर्ची नहीं। प्रवेश-पत्र पर कम्पनी का नाम नहीं है।"

शिवम् इम्ब्राइड्री मजदूर : " डी-64 उद्योग विहार फेज-4 स्थित फैक्ट्री में 12 घण्टे रोज पर 26 दिन के हैल्परों के 2500 और कारीगरों को 4200 रुपये। तनखा देरी से, 15 तारीख के बाद। सौ मजदूर काम करते हैं पर ई.एस.आई. व पी.एफ. 30 के ही हैं।"

सरगम एक्सपोर्ट वरकर : "540 उद्योग विहार फेज-5 स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 3510 और कारीगरों की 3900 रुपये। वेतन से ई.एस.आई. व पी.एफ. के पैसे काटते हैं पर ई.एस.आई. कार्ड नहीं देते। दो-चार महीने बाद निकालने/छोड़ने वालों के फण्ड के पैसे निकालने के फार्म नहीं भरते।"

इनकास इन्टरनेशनल मजदूर : "142 उद्योग विहार फेज-1 स्थित फैक्ट्री में चमड़े के जैकेट बनाने वाले कारीगर पीस रेट पर हैं और हैल्परों में स्थाई की तनखा 3510 तथा कैजुअलों की 2555 रुपये। एक शिफ्ट 8 घण्टे की, महीने में 10-12 दिन ओवर टाइम जिसका भुगतान सिंगल रेट से। कैजुअल वरकरों की ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं।"

भोरजी सुपरटेक वरकर : "272 उद्योग विहार फेज-2 स्थित फैक्ट्री के मोल्डिंग विभाग में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं और असेम्बली में 8 घण्टे की शिफ्ट। हैल्परों की तनखा 2500 और कारीगरों की 3800-3900 रुपये। दो ठेकेदारों के जरिये रखे 250 मजदूरों की ई.एस.आई. नहीं, पी. एफ. नहीं।"

रेशम इम्ब्राइड्री मजदूर : "741 उद्योग विहार फेज-5 स्थित फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं। रोज 12 घण्टे पर 26 दिन के हैल्परों को 2000 और कारीगरों को 4000 रुपये। ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। तनखा 7 से पहले की बजाय 14-15 तारीख को।"

तारसा एक्सपोर्ट वरकर : "174 उद्योग विहार फेज-1 स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की

(बाकी पेज तीन पर)

मजदूर समाचार में साझेदारी के लिये :

★अपने अनुभव व विचार इसमें छपवा कर चर्चाओं को कुछ और बढवाइये। नाम नहीं बताये जाते और अपनी बातें छपवाने के कोई पैसे नहीं लगते। ★ बाँटने के लिये सड़क पर खड़ा होना जरूरी नहीं है। दोस्तों को पढवाने के लिये जितनी प्रतियाँ चाहियें उतनी मजदूर लाइब्रेरी से हर महीने 10 तारीख के बाद ले जाइये। ★ बाँटने वाले फ्री में यह करते हैं। सड़क पर मजदूर समाचार लेते समय इच्छा हो तो बेझिझक पैसे दे सकते हैं। रुपये-पैसे की दिक्कत है।

महीने में एक बार छापते हैं, 7000 प्रतियाँ फ्री बाँटने का प्रयास करते हैं। मजदूर समाचार में आपको कोई बात गलत लगे तो हमें अवश्य बतायें, अन्यथा भी चर्चाओं के लिए समय निकालें।

घायल—बीमार होने पर

दिल्ली, नोएडा, गुड़गाँव, फरीदाबाद में काम करते जिन मजदूरों पर कानून अनुसार ई.एस.आई. के प्रावधान लागू होते हैं उन में से 70-75 प्रतिशत पर कम्पनियाँ यह लागू नहीं करती। जिन्हें कैजुअल वरकर अथवा ठेकेदारों के जरिये रखे मजदूर कहते हैं उन में नब्बे प्रतिशत की ई.एस.आई. नहीं होती।

ऐसे में फैक्ट्री में ज्यादा चोट लगने पर मजदूर को निजी चिकित्सालय ले जाना सामान्य है। हाथ कटने जैसे मामलों में इधर-उधर पैसे दे कर ई.एस.आई. पीछे की तारीख से करवा देना भी आम बात है। घटना से चन्द रोज पहले की भर्ती दिखाई जाती है। स्वयं भर्ती किये मजदूर को भी ठेकेदार के जरिये रखा दिखाया जाता है ताकि ठीक होने पर उसे फैक्ट्री में स्थाई तौर पर रखना नहीं पड़े। ताजा चोट के समय साहब लोग मोम हो जाते हैं — नौकरी पर रखने तथा अच्छे उपचार की बातें करते हैं, खर्च के लिये पैसे देते हैं। पुचकार कर कागजी खानापूर्ति करने के बाद साहब पहले जैसे हो जाते हैं।

इसलिये घायल होने पर हो सके तो ई.एस.आई. अस्पताल जायें — ई.एस.आई. कार्ड के बिना भी कैजुअलटी में जा सकते हैं। मैनेजमेन्टें निजी चिकित्सालयों में ले जाती हैं इसलिये तत्काल ई.एस.आई. अस्पताल नहीं जा सकें तो जितना जल्दी हो सके अवश्य वहाँ जायें। कम्पनी ने एक्सीडेन्ट रिपोर्ट नहीं भरी है तो ई.एस.आई. डॉक्टर भरवायेंगे। एक्सीडेन्ट रिपोर्ट की फोटो कॉपी अवश्य लें और उस में थोड़े दिन की भर्ती, ठेकेदार आदि वाली गड़बड़ियों को देखें तथा कर्मचारी राज्य बीमा निगम अधिकारियों को लिखित में शिकायतें करें। ई.एस.आई. डॉक्टर द्वारा फिटनेस दिये जाने पर फैक्ट्री में ड्युटी के लिये जायें। ड्युटी पर नहीं लेना कानून अनुसार अपराध है। इसकी शिकायत ई.एस.आई. लोकल तथा क्षेत्रीय कार्यालयों में लिखित में तुरन्त करें। ई.एस.आई. केन्द्र सरकार के तहत है और शिकायतें करने के लिये कुछ पते यह हैं : 1. क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, पंचदीप भवन, सैक्टर-16, फरीदाबाद—121002 (पूरे हरियाणा के लिये); 2. क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, डी.डी.ए. एस.सी. ओ., राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली-110008 (दिल्ली क्षेत्र के लिये); 3. महानिदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, कोटला रोड़, नई दिल्ली-110002 ; 4. श्रम मन्त्री, भारत सरकार, श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001 ; और

5. ई-मेल पता < id-sys @ esic.nic.in>

कार्यस्थलों की हालात के कारण अनेक पेशेगत बीमारियों की भरमार है, मजदूर बड़े पैमाने पर इन से ग्रस्त होते हैं। और, लीपापोती का हाल यह है कि फरीदाबाद में दस्तावेजों के अनुसार मात्र एक मामला आधे-अधुरे ढँग से अब तक उठा है.... सेवा निवृति के बाद भी तन और मन के इन पेशेगत रोगों की क्षतिपूर्ति तथा उपचार की जिम्मेदारी कम्पनियों व ई.एस.आई. की है। जानकारी प्राप्त कर कदम उठायें।

ई.एस.आई. के प्रावधान लागू नहीं करने, ई.एस.आई. कार्ड नहीं देने आदि की शिकायतें करना बनता है। कम्पनियों के नाम-पते लिख कर ऊपर दिये पतों पर पोस्ट कार्ड डालें, ई-मेल करें।

डाक पता : मजदूर लाईब्रेरी,
आटोपिन झुग्गी,
एन.आई.टी फरीदाबाद - 121001

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए जे० के० आफसैट दिल्ली से मुद्रित किया। **RN 42233 पोस्टल रजिस्ट्रेशन L/HR/FBD/73–2011**